देखा गया है कि एम.पीज. लोग भी जब रेल से यात्रा करते है, तब ए.सी. फर्स्ट क्लास के डिब्बों मे भी इतना सामान भरा होता है कि बैठने को जगह नहीं होती।

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : जब आप रेल बजट पर डिस्कसन करेगे तो यह बात तफसील से हो सकती है।

श्री रामगोपाल यादव : इसलिए मेरा कहना है कि जो ऑर्गनाइजज्ड गेग्स के जरिए में तस्कती हो रही है इस पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने की सरकार व्यवस्था करे। माननीय मंत्री जी यहां बैठे हुए है, मैं उन से कहना चाहूंगा कि.....

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : रेल बजट के समय आप यह बात तफसील से कह दीजिए।

RE: JAGANNATH SHETTY COMMISSION OF INQUIRY REPORT BLAMING I.S.A OF PAKISTAN FOR CREATING COMMUNAL DISTURBANCES IN BHATKAL

श्री राजनाथ सिंह (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, मैं इस सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु की ओर आकर्षित की खुफिया एजेंसी, आई.एस.आई. की गतिविधियों के बारे में कई बार माननीय सदस्यों द्वारा मुद्दे उठाए गए हैं और इसी सदन में सरकार ने भी देश में आई.एस.आई. की बढ़ती हुई आतंकवादी गतिविधियों पर चिंता व्यक्त की है। मैं कहना चाहूंगा कि सरकार ने ही नहीं बल्कि इस सदन ने भी चिंता व्यक्त की है, लेकिन सारे देश में आई. एस.आई. की गतिविधियां बढ़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। महोदय, जैसा प्रभावी कदम इन आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए उठाना चाहिए, उस तरह का कोई प्रभावी कदम सरकार द्वारा नहीं उठाया गया है। मुझे लगता है कि या तो आई.एस.आई.की बढती है। मुझे लगता है कि या तो आई.एस.आई. की बढती इन आंतकवादी गतिविधियों की आलोचना के प्रति हम ईमानदार नहीं है अथवा इन गतिविधियों को रोकने के लिए जो इच्छा शक्ति चाहिए, उस दृढ़ इच्छा शक्ति का सरकार में अभाव है अथवा इन आंतकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए और कानून और व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए हमारे जो आज का सिस्टम है, वह सिस्टम ही पूरी तरह से कॉलेप्स कर गया है।

मान्यवर , मैं ध्यान आकर्षित करना, चाहूंगा जगन्नाथ शेट्टी कमीशन की रिपोर्ट की ओर। मान्यवर, कर्नाटक में एक स्थान है भटकल जहां पर कि वर्ष 1993 में दंगा हुआ था और कर्नाटक की गवर्नमेंट ने उस बारे में अंडर द चैयरमैनशिप आफ जगन्नाथ शेट्टी एक इंक्वायरी कमीशन बिठाया था। उस के बाद जगन्नाथ शेट्टी कमीशन ने अपनी रिपोर्ट चार वॉल्यूम्स में दी जिस में उन्होंने कहा कि भटकल में उस दंगे के दौरान 17 लोग मारे गए और 2 करोड़ से ज्यादा की संपति नष्ट की गयी। मान्यवर, वहीं एक महत्वपूर्ण बात उस रिपोर्ट में यह उजागर की गयी है कि आई.एस.आई. की गतिविधियां जिस तेजी के साथ देश के अंदर बढती जा रही है, उसके कारण देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर संकट पैदा हो गया है, और यह सच बात है कि यह खुफिया एजेंसी आई. एस.आई. हमारे देश की सोशल और कम्युनल हार्मोनी को पूरी तरह से तार-तार कर देना चाहती है। मान्यवर, उस आयोग की रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आई.एस.आई. की गतिविधियां इस देश में आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह से बढाने में प्रभावी भूमिका का निर्वाह कर रही है और यह बात अब किसी से छिपी हुई नहीं है कि इस देश में आतंकवादी गतिविधियां आई.एस.आई. के कारण बड़ी तेजी से बढ़ रही है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश के 40 जनपद इस समय आई.एस.आई. की गतिविधियों की चपेट में आ गए है। मुंबई में जो बम ब्लास्ट हुआ था, उस में भी यह बात उजागर हो गयी है कि उस के पीछे भी आई.एस.आई का हाथ रहा है। मैं उत्तर प्रदेश के नदवा स्कूल की ओर भी ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। निश्चित रूप से नदवा स्कूल के प्रति हमारे मन में भरपूर सम्मान है और यह इस्लामिक स्कूल देश का एक जाना-माना स्कूल है, लेकिन जब पुलिस ने वहां के हास्टल मे आई.एस.आई. आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के लिए छापा मारा तो किस प्रकार से उत्तर प्रदेश की सरकार ने घुटने टेक देने का काम किया था, यह बात किसी से छिपी नहीं है।....(**व्यवधान**)... मैं अपनी बात पूरी कर लूं, उसके बाद इजाजत दे दीजिए।....(**व्यवधान**)...

श्री रामगोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : सर, यह पहले भी स्पष्ट हो चुका है कि इतनी सम्मानजनक संस्था पर यह आरोप लगा रहे हैं।....(**व्यवधान**)...

SHRI KHAN GHUFRAN ZAHIDI (UTTAR PRADESH): Sir, I object to this. Sir, I want to speak on this point.

श्री वसीम अहमद (उत्तर प्रदेश) **:** नए तरीके से फिर उठा रहे हैं। इस तरीके से किसी एक इरादे को बदनाम करना इससे घटिया और बात नहीं हो सकती, जो इस तरह बी.जे.पी. को लोग करते हैं। ....(**व्यवधान**)... यह बेसलेस बात है। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : हमें बोलने दीजिए, गुफरान साहब।

Mr. Rajnath Singh, you obtained the permission in regard to the Jagannath Shetty Commission of Inquiry Report blaming I.S.I, of Pakistan for creating communal disturbances at Bhatkal. You can go up to Karnataka. That is all. But don't go beyond that.

श्री राजनाथ सिंह : सर, मैं यह निवेदन करना चाहता था कि भटकल कमीशन ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : बैठिए। आप बैठिए। ....(**व्यवधान**)... When the Chair speaks, please have some patience.

श्री रामगोपाल यादव : किसी इंस्टीटयूशन को इस तरह बदनाम नहीं करना चाहिए। श्रीमन् यह रदवा को इससे निकाला जाना चाहिए। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : बैठिए। बैठिए। ....(**व्यवधान**)...

आप ऐसा कोई इंस्टीट्यूशन का नाम मत लीजिए, जिस पर सदस्यों को एतराज हो।

श्री राजनाथ सिंह : मैंने पहले ही अर्ज किया कि हमारे मन में उस स्कूल के प्रति इज्जत है। मैंने सम्मान व्यक्त किया पहले उस स्कूल के बारे में। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : नहीं, नहीं। विषय जगन्नाथ शेट्टी रिपोर्ट का है, उस पर बोलिए।

श्री बसीम अहमद : उपसभाध्यक्ष जी, यह सम्मान की बात नहीं है बल्कि एक इरादे को बदनाम करने की बात है ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : एक समय में एक सदस्य नहीं बोलेंगे तो मैं कुछ नहीं समझ पाऊंगा। गुफरान साहब, आप बोलिए। ....(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद आजम खान (उत्तर प्रदेश) : वह बात नदवा की नहीं है, मुसलमानों की है। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : नहीं, नहीं। वह मुसलमान नहीं बोल रहे हैं।

श्री खान गुफरान जहिदी : उपसभाध्यक्ष जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय निरूपम : *

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : बैठिए। आप बैठिए। ....(**व्यवधान**)... बोलने का मौका तो बेयर से मिलेगा। आप बैठिए।

Nothing will go on record.

श्री संजय निरूपम : *

श्री वसीम अहमद : नहीं यह नहीं कह सकते। यह गलत बात है।

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : प्लीज। ....(**व्यवधान**)... रिकार्ड में नहीं जा रहा बैठिए।

Please stop talking. Nothing is going in the record.

श्री संजय निरूपम : *

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम): वह रिकार्ड में नहीं जा रहा। यह सदन है। इसकी मर्यादा है, गरिमा है। ....(**व्यवधान**)... आप अचानक खड़े होकर कैसे बोलेगें। बैठिए आप, संजय निरूपम जी। ....(**व्यवधान**)...

श्री खान गुफरान जहिदी : उपसभाध्यक्ष जी, आपने हमें एलाऊ किया है। मैं बोलना चाहता हूं ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : बैठिए। अब वह ऐसा कुछ नहीं बोलेगे, जिससे आपके सेंटीमेंट हर्ट होते हो। उनको जिस विषय पर परमीशन मिली है, उसी पर बोलेंगे।

श्री रामगोपाल यादव **:** जो सिसी पर्टिकुलर इरादे के बारे में वह बोले हैं, उसे निकाल दीजिए , सर।

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : आप बैठ जाइए। मैंने तो बोल दिया। आपको नई कुछ बात बोलनी है। ....(**व्यवधान**)... उनको जिस विषय पर परमीशन मिली है उसी विषय पर वह बोलेंगे। उससे ज्यादा अगर कुछ बोलते हैं, जिससे सेटिंमेंट हर्ट होते हैं, कोई इंस्टीट्यूशन का नाम लिए है, गलतबयानी अगर की है तो वह चेयर एग्जामिन करेगी और निकाल देगी।

श्री संजय निरूपम : *

* Not recorded.

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : आप बैठिए। राजनाथ सिंह जी, आप बोलेंगे। ....(**व्यवधान**)... संजय निरूपम जी, आप बैठ जाइए। आपको इस हाऊस के रूल्स के बारे में पता होगा। अगर कोई सदस्य बोल रहे हों और चेयर से कहा जाय कि आप बैठिए तो आपको बैठना होगा। इस सदन की अपनी मर्यादा है। आप बैठिए। ....(**व्यवधान**)... बोलिए राजनाथ सिंह जी।

श्री राजनाथ सिंह : श्रीमन्, उत्तेजित होने का कोई कारण नहीं है। सच बात यह है कि हम सभी जानते हैं कि इस्लामिक स्कूलों में जाना-माना स्कूल नदवा स्कूल है। ....(**व्यवधान**)...

श्री खान गुफरान जहिदी : आप इसको क्यों मेंशन कर रहे हैं? ....(**व्यवधान**)...

He has no right to mention it.

जहां का कमीशन है , वहीं की बात करिए ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : गुफरान साहब, आप बैठिए ....(**व्यवधान**)... बैठ जाइए ....(**व्यवधान**)...

श्री खान गुफरान जहीदी : उपसभाध्यक्ष जी, आपने रूलिंग बिल्कुल ठीक नहीं, आपने यह बात कही है, जहां का वाक्या है, जहां का कमीशन है और जिसका हवाला दिया गया है, भटकल, कर्नाटक के सिलसिले में आपने कहा, लेकिन ये ईमानदारी से आई.एस.आई. पर बात नहीं करना चाहते, सच्ची बात तो यह है कि आई.एस.आई. के साथ-साथ इनका जहन बंटा हुआ है, ये पूरे मुल्क में जितनी माइनानिटीज है, उन सबको यह आई.इस.आई. के साथ जोड़कर देखने के आदि हैं उनका घर हो, उनका मकान हो हर जगह इन्हें आई.एस.आई. नजर आता है। ....(**व्यवधान**)...

श्री राजनाथ सिंह : सवाल नहीं उठता, मैं इसका खंडन करना चाहता हूं ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : मिस्टर गुफरान, बैठिए, बैठ जाइए। ....(**व्यवधान**)...

श्री खान गुफरान जहीदी : हमें, उपसभाध्यक्ष जी, एक बात कहनी है कि अगर ....(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): On this point, You cannot make a speech.

आपको कोई ऑब्जेक्शन है तो बताइए।

श्री खान गुफरान जहीदी : ओ.के. आपकी रूलिंग के अनुसार बोलें तो हमें कोई, ऑब्जेक्शन नहीं है।

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : राजनाथ सिंह जी, अब आप समाप्त कीजिए। आप काफी बोल चुके हैं।

श्री राजनाथ सिंह : श्रीमन्, मैंने बोला ही कहां है। श्रीमन् , मैं यह निवेदन कर रहा था कि लखनऊ का नदवा स्कूल, यह इस्लामिक ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : आप भटकल के बारे में, जगन्नाथ शेट्टी कमीशन की रिपोर्ट के बारे में ही बोलिए।

श्री राजनाथ सिंह : मैं उसी के बारे में कह रहा हूं और सभी यह जानते हैं कि वहां आई.एस.आई. गतिविधियों में संलिप्त कुछ लोग पकड़े गए थे और उस समय वहां के तत्कालीन मुख्य मंत्री ने जाकर क्षमा मांगी थी। हमारा यह कहना है कि इम्पीचमेंट के आधार पर, तुष्टीकरण के आधार पर कभी भी आई.एस.आई. की गतिविधियों पर नियंत्रण नहीं पाय जा सकता। ....(**व्यवधान**)...

श्री खान गुफरान जहीदी : यह आई.एस.आई. का फोबिया बोल रहा है। ....(**व्यवधान**)...

मौलाना हबीबुर्रहमान नोमानी (नाम-निर्देशित) : हम यह कहना चाहते हैं कि ये सब बातें बड़ी गलत हैं। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : नोमानी साहब, आप बैठ जाइए। आप क्या व्यवस्था करते हैं। यादव जी ? Please come to the point.

श्री ईश दत्त यादव : मान्यवर, हम आपसे यह व्यवस्था चाहते हैं कि माननीय सदस्य जो कुछ कुहना चाहें कहें, लेकिन किसी स्कूल, किसी सम्प्रदाय या जाति के बारे में अगर कहेंगे तो इसके पीछे इनकी मंशा स्पष्ट लगती है कि ये साम्प्रदायिक दंगे भड़काना चाहते हैं और इसीलिए मान्यवर, मैं ....(**व्यवधान**)...

श्री राजनाथ सिंह : मैं न स्कूल के खिलाफ बोल रहा हूं, न सम्प्रदाय के ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : राजनाथ जी, आप ऐसा कुछ न बोलें जिससे कि सेटिमेंट हर्ट हों।

श्री राजनाथ सिंह : श्रीमन्, मैं यह निवेदन कर रहा था कि चाहे वह किसी हिन्दू विश्वविद्यालय हो, चाहे मंदिर हो, चाहे मस्जिद हो, चाहे वह नदवा स्कूल हो, जहां पर आतंकवादी पाए जाते हैं, उन्हें कदापि माफ नहीं किया जाना चाहिए उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

श्रीमन् मैं जगन्नाथ शेट्टी इंक्वायरी रिपोर्ट की चर्चा कर रहा था, कि भटकल में जो पब्लिक रायट्स हुआ था, उसकी जांच के लिए इस कमीशन को बनाया गया था, लेकिन इस जगन्नाथ शेट्टी ने जो अपनी रिपोर्ट दी है वह चार भागों में दी है और उसमें उसने इस्लामाबाद की जो गतिविधियां है, उनको भी उजागर करने का काम किया है, और यह भी कहा है कि नेपाल,बंगला देश, म्यांमार, ये सब जो भारत की सीमाएं है, यहां पर आई.एस.आई. की आंतकवादी गतिविधियां बड़ी तेजी से बढ़ रही है और ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : हमारी अपनी भी कुछ समय की सीमाएं है इसलिए आप कृपया कन्कलूड कीजिए।

श्री राजनाथ सिंह : कल ही एक प्रश्न के उत्तर में भारत सरकार ने कहा है कि 1995-96,97 में चाहे वह जम्मू कश्मीर हो, उत्तर प्रदेश हो, नार्थ-ईस्ट हो, कुछ ऐसे राज्य है जहां पर कि आतंकवादी गतिविधियां कुछ ज्यादा चल रही है। इनके बारे में रिपोर्ट में यह बताया गया है कि वहां पर जितने फायर आर्म्स पकडे गए हैं, एम्युनेशन्स पकडे गए हैं, आर.डी.एक्स.बरामद हुआ है, बराबर उनकी मात्रा और संख्या बढ़ती जा रही है। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार को इन गतिविधियों पर जैसा प्रभावी नियंत्रण करना चाहिए था, वैसा नियंत्रण यह सरकार नहीं कर पा रही है। मैं मांग करना चाहता हूं कि सारा देश इस समय आतंकवादी गतिविधियों के कारण चिंतित है और हम चाहते हैं कि हमारे देश की एकता व अखडंता ....(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद आजम खान : आर.एस.एस. को बैन कर दिया जाए तो सब ठीक हो जाएगा।....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) :आप बैठिए ....(**व्यवधान**)...

श्री मोहम्मद आजम खान : उपसभाध्यक्ष महोदय, आर.एस.एस. ....(**व्यवधान**)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आर.एस.एस. का सवाल कहां हैं? आर.एस.एस. का सवाल क्यों ला देते है? वाईस चेयरमैंन साहब, आपको थोड़ा नियंत्रण रखना पडेगा, कभी अयोध्या का नाम लेकर, कभी आर.एस.एस. का नाम लेकर बिना किसी वजह से ....(**व्यवधान**)... ये तो गलत चीज है। ....(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Whoever speaks without my permission will not go on record.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : सदर साहब, ऑनरेबल मेंबर अपनी बात खत्म कर रहे थे और ऐहतियात बरत रहे थे कि किसी दूसरे का दिल न दुखे। उसके बाद ऐतराजात कहां से कहां पहुंच रहे हैं? यह आर.एस.एस. का कहां से बुखार चढ़ा है ? मेहरबानी होगी, इनको रोकें। इन्होंने अपनी बात खत्म कर दी है ....(**व्यवधान**)...

شری سکندر بخت: صدر صاحب آنریبل ممبر اپنی بات ختم کر رہے تھے اور احتیاط برت رہے تھے کہ کسی دوسرے کا دل نہ دکھے۔ اسکے بعد اعتراضات کہاں سے کہاں تک پہنچ رہے ہیں یہ آر۔ ایس۔ ایس کاکہاں سے بخار چڑھا ہے۔ مہربانی ہوگی انکو روکیں۔ انہوں نے اپنی بات ختم کر دی ہے....مداخلت....

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : आप कनक्लूड कीजिए।

श्री राजनाथ सिंह **:** श्रीमन्, मैं निवेदन कर रहा था कि हम सभी चाहते हैं कि इस देश में सांप्रदायिक सौहाई कायम हो।

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) **:** श्रीमन्, मैं निवेदन कर रहा था, कि हम सभी चाहते हैं कि इस देश में सांप्रदायिक सौहार्द कायम हो।

---

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम) : आप डिमांड कर रहे थे ।

श्री राजनाथ सिंह : वहीं मैं कह रहा हूं इस देश की एकता और अखंडता को खतरा पैदा करने वाली चाहे कितनी भी बड़ी ताकत क्यों न हो, निश्चित रूप से उसके विरूद्ध इस सरकार को खड़ा होना चाहिए, सारे देश को खड़ा होना चाहिए और उस आतंकवादी को दंडित किया जाना चाहिए चाहे ।

यह किसी जाति और मजहब का क्यों न हो । इसलिए मैं चाहता हूं कि ....(**व्यवधान**)... तमिलनाडु में भी यही स्थिति बन रही है। इसीलिए मैं चिंतित हूं । मैं यह मांग करना चाहता हूं भारत सरकार से कि ऐसे महत्वपूर्ण बिन्दु पर सरकार की तरफ से एक स्टेटमेंट आना चाहिए । लेकिन आज तक आई.एस.आई. की गतिविधियों के बारे में सरकार के द्वारा सदन में कभी भी कोई स्टेटमेंट नहीं दिया गया । मैं यह भी मांग करना चाहता हूं कि यह बहुत ही गंभीर मुद्दा है । इसलिए सरकार के द्वारा इन आई.एस.आई. की गतिविधियों के ऊपर एक व्हाईट पेपर, एक श्वेतपत्र जारी किया जाना चाहिए । यह मांग करते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

RE: BURNING TO DEATH OF A RAPE VICTIM IN DELHI AND NEGLIGENCE OF GOVERNMENT HOSPITALS

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Sir, I have no words to describe an incident that has taken place in the heart of Delhi. We have been discussing the role criminals; we have been discussing the failure of the police; we have been discussing the atrocities on women. But only yesterday, something has happened in Delhi which is beyond any description and needs to be condemned and the Govemment should take immediate action. It is like this.

A young lady was raped. She was raped in 1995 in September. After the gang rape, the lady was warned by the rapists not to go to the court. But the lady was a little more brave than what she appeared to be. She was a frail lady. But she was brave. She dared to go to the court. She dared to identify the rapists despite the threat to kill her. But the rapists did not make empty threats. After a few days, when this girl was alone in her house, she was dragged out. It all happened in Delhi. She was dragged out of the house and taken to an empty piece of land. Kerosene was poured on her and she was put to fire. This is not the whole story. This is not even half the story.

After she was burnt, she did not die. She was taken to the Safdarjung Hospital for admission. Believe, it, believe me, Mr. Vice-Chairperson Sir, she was not admitted. The doctors on duty said it was a police case and she could not be admitted. *(Interruptions).*

AN HON. MEMBER: It was RML, not Safdarjung.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: ft does not make sense. Whether it was RML or Safdarjung, she was refused admission by a Govemment Hospital. Of course, after she was denied admission, she was taken to another hospital. The poor half-burnt girl was treated only for three days, and after treating her for three days, she was being released. Just imagine! She could not go to her place because all sorts of criminals were there. She was put up in a nearby dharamsala and she had to walk every day in such an ailing condition from dharamsala to the Govemment hospital to get herself treated. After some time, she had again fallen sick. Sir, as you know, bum cases are never put on the strechers because there is always a danger of infection. My information is that she contracted infection. She was almost cured but since she was released and she had to Jake a walk she had contracted infection a second time and because of that she was in a dangerous condition. In the meantime, a group of social activists approached a Minister of the Government, Shri Balwant Singh Ramoowalia, and he had to ring up the Superintendent of the hospital to admit her. She was readmitted at 8.30 and she died at 9.00 p.m. in the night. Sir, we know that the police does not act, we know people do not work in hospitals. But am I to understand that human heart does not bleed when a half-burnt lady moves out from one place to another? It